पंचदश

बिहार विधान-सभा

षोडश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 06 चैत्र, 1937 (श0)
27 मार्च, 2015 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 05

(1) स्वास्थ्य विभाग	.. ..	04
(2) ऊर्जा विभाग	.. ..	01
	कुल योग —	05

गुणवत्ता की जाँच करना

''क''-11. श्री नितिन नवीन--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 5 फरवरी, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''क्वालिटी जाँच के इंतजार में सड़ रही 11 करोड़ की दवा'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013-14 में बिहार स्वास्थ्य सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम (बी0एम0एस0आई0सी0एल0) के गोदामों में 23.2 करोड़ की दवायें बची है जिनमें 121 तरह की करीब 11.4 करोड़ की ऐसी दवाएँ है जिनकी गुणवत्ता जाँच रिपोर्ट अभीतक अनुपलब्ध है जिससे अस्पतालों में दवाई सप्लाई प्रभावित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त दवाओं की सप्लाई तभी हो सकेगी जब इनकी क्वालिटी जाँच रिपोर्ट सही हो ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में खंड (1) में वर्णित दवाओं की जाँच एवं वितरण कबतक कराने का विचार रखती है ?

कार्रवाई करना

16. डॉ0 अच्युतानन्द--दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 1 फरवरी, 2015 के अंक में छपी खबर ''गाँवों में बिजली पहुँचाने के काम में भारी गड़बड़ी'' शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के 24 हजार से अधिक गाँवों में राजीव गाँधी (अब दीनदयाल उपाध्याय) ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अधीन बिजली पहुँचाने का काम किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि केन्द्र सरकार से संबद्ध थर्ड पार्टी इन्स्पेक्सन एजेंसी द्वारा 37 हजार 141 गाँवों में जाँच किया गया जिसमें से 15 हजार 728 गाँवों में योजना के कार्य में भारी गड़बड़ियाँ पायी गयी है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त योजना में गड़बड़ी करने वाले दोषियों पर कार्रवाई करते हुये गड़बड़ियों को रोकने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निदान करना

17. श्री संजय सरावगी--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 12 मार्च, 2015 के अंक में छपी खबर ''वायरोलॉजी लैब में नहीं हो रही वायरस की जाँच'' शीर्षक को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि --

(1) क्या यह बात सही है कि डी0एम0सी0एच0, दरभंगा में आधुनिकतम बी0एस0एल0थ्री0 की वायरोलॉजी लेबोरेटरी का उद्घाटन 23 फरवरी, 2014 को हुआ था जिसमें स्वाईन फ्लू के एच0वन0 एवं एन0वन0 समेत अन्य वायरसों की जाँच होनी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि डी0एम0सी0एच0, दरभंगा में स्वाईन फ्लू के सम्भावित मरीजों के थ्रोट के स्वाब के नमूने जाँच के लिये पटना के बी0एस0एल0टू लेबोरेटरी भेजे जा रहे हैं जिसके कारण स्वाईन फ्लू के मरीजों के जाँच में विलम्ब हो रहा है एवं तकनीकी दृष्टि से दरभंगा का लैब पटना से अधिक आधुनिक है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा में स्वाईन फ्लू के मरीजों की जाँच नहीं होने के कारणों का पता लगाकर इसका निदान कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नोट--''क''-दिनांक 20 मार्च, 2015 को सदन द्वारा स्थगित ।

रोक-थाम करना

18. श्री नितिन नवीन--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 4 दिसम्बर, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''दिमाग की बत्ती गुल कर रहा जीरो टोबैको पान मसाला'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में जीरो टोबैको और माउथ फ्रेशनर के नाम से बिक रहे मशहूर ब्राण्डों के पान मसाला एवं गुटखा में निकोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण इसे खाने वाले को घातक बिमारियाँ हो रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पान मसालों में प्रयुक्त सुपारी भी मुख कैंसर का प्रमुख कारण है, यदि हाँ, तो इसकी रोक-थाम हेतु सरकार की क्या योजना है ?

कार्रवाई करना

19. श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी--दिनांक 10 मार्च, 2015 को दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित समाचार शीर्षक ''मरीजों के पैसे खर्च नहीं कर सके अधिकारी'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि प्रदेश के जिलों के अस्पतालों में दवाओं की कमी तथा उपकरणों के अभाव में बदहाली की स्थिति को झेल रहे मरीजों के चिकित्सा हेतु राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में 21 अरब रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा था ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा लक्षित राशि में से 13 अरब रुपये सरकारी खजाने में पड़े रह गये और उसका लाभ मरीजों को नहीं मिल पाया ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो इसके लिये कौन-कौन अधिकारी जिम्मेवार हैं तथा सरकार उनके विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

पटना :
दिनांक 27 मार्च, 2015 (ई0)।

हरेराम मुखिया,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।